



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 23 मार्च, 2007/2 चैत्र, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 23 दिसम्बर, 2006

संख्या एल० सी० डी०-एफ०(1)-1/2006.—राज्य सरकार की यह राय है कि “श्री महाशिव मन्दिर शिववाड़ी (अम्बोटा), जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश के बेहतर प्रशासन और इसमें सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोकहित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान एवं पूर्त विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-1 में क्रम संख्या 30 पर निम्नलिखित मन्दिर को जोड़ते हैं, अर्थात :—

“श्री महाशिव मन्दिर”, शिववाड़ी (अम्बोटा), जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव ।

[Authorised English text of this Department Notification No. LCD-F(1)-1/2006, dated 23-12-2006 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LANGUAGE, ART AND CULTURE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd December, 2006

No. LCD-F(1)-1/2006.—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration for the protection and preservation of properties appurtenant to “Shri Mahashiv Mandir”, Shivbadi (Ambota), District Una, Himachal Pradesh.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to add in Schedule-I at Sl. No. 30 of the aforesaid Act, namely :—

“Shri Mahashiv Mandir”, Shivbadi (Ambota), District Una, Himachal Pradesh.

By order,

Sd/-
Principal Secretary.

भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 6 मार्च, 2007

संख्या एल० सी० डी०-ए(4)-4/2004.—राज्य सरकार की यह राय है कि “श्री महाशिव वेद व्यास गुफा-मंदिर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश” के बेहतर प्रशासन और इससे सम्बन्धित सम्पत्तियों के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोकहित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक है ।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान और पूर्त विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए और इस सरकार की अधिसूचना संख्या एल० सी० डी०-एफ० (1)-2/2004, तारीख 13-6-2005 के अनुसरण में आदेश देते हैं कि अनुसूची-1 के क्रम संख्या 23 की विद्यमान मद (iii) के पश्चात् निम्नलिखित नई मद (iv) अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

‘श्री महर्षि वेद व्यास गुफा-मंदिर, जिला बिलामपुर’

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव।

[Authorised English text of this department notification No. LCD-A (4)-4/2004, dated 6-3-07 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LANGUAGE, ART AND CULTURE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 6th March, 2007

No. LCD-A(4)-4/2004.—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration and for the protection and preservation of properties appurtenant to Shri Maharishi Ved Vyas Goofa-Mandir, District Bilaspur, Himachal Pradesh.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institution and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984) and in continuation of this Government notification No. LCD-F(1)-2/2004, dated 13-6-2005, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that in Schedule-1 after the existing item (iii), of Sl. No. 23, the following new item “(iv)” shall be inserted, namely :—

(iv) Shri Maharishi Ved Vyas Goofa-Mandir, District Bilaspur”.

By order,

Sd/-
Principal Secretary.

भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 9 मार्च, 2006

संख्या एल० सी० डी०-एफ०(1)-2/96.—राज्य सरकार की यह राय है कि “श्री शिव मन्दिर, बैजनाथ”, “महाकाल मन्दिर महाकाल, बैजनाथ” और “श्री मुकुट नाथ मन्दिर, संसाल (बैजनाथ)”, जिला कांगड़ा के बेहतर प्रशासन और इससे सम्बन्धित सम्पत्ति के संरक्षण और परिरक्षण के लिए लोकहित में पग उठाए जाने समीचीन और आवश्यक हैं।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान एवं पूर्त विन्यास अधिनियम, 1984 (1984 का 18) की धारा 29 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त अधिनियम की अनुसूची-1 में क्रम संख्या 28 पर निम्नलिखित मन्दिरों को जोड़ते हैं, अर्थात् :—

1. “श्री शिव मन्दिर बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश” ।
2. “महाकाल मन्दिर महाकाल, बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश” ।
3. “श्री मुकुट नाथ मन्दिर, संसाल, बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश” ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव ।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. LCD-F(1)-2/2006, dated 9-3-2006 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LANGUAGE, ART AND CULTURE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 9th March, 2006

No. LCD-F(1)2/2006.—Whereas the State Government is of the opinion that it is expedient and necessary in the public interest to take steps for the better administration and for the protection and preservation of properties appurtenant to “Shri Shiv Mandir, Baijnath”, “Mahakal Mandir Mahakal Baijnath” and “Mukut Nath Mandir, Sansal (Baijnath)”.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29 of the Himachal Pradesh Hindu Public Religious Institutions and Charitable Endowments Act, 1984 (Act No. 18 of 1984), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to add the following in Schedule-I at Sl. No. 28 of the aforesaid Act, namely :—

1. “Shri Shiv Mandir Baijnath, District Kangra, Himachal Pradesh.”
2. “Shri Mahakal Mandir, Mahakal Baijnath, District Kangra, Himachal Pradesh.”
3. “Mukut Nath Mandir, Sansal, Baijnath, District Kangra”.

By order,

Sd/-
Principal Secretary.